ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-11* December- 2020
Innovation The Research Concept

उत्कर्ष एक नया प्रयोग

Utkarsh A New Experiment

Paper Submission: 15/12/2020, Date of Acceptance: 28/12/2020, Date of Publication: 29/12/2020

सुषमा तलेसरा
प्राध्यापक,
शिक्षा विभाग,
जी.एस.शिक्षक महाविद्यालय,
(सीटीई),
उदयपुर, राजस्थान, भारत

भावना गहलोत
शोधार्थी,
शिक्षा विभाग,
मोहनलाल सुखाड़िया
विश्वविद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान, भारत

सारांश

प्रोजेक्ट उत्कर्ष का प्रारम्भ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए किया गया उत्कर्ष का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्व अध्ययन एवं समुह अधिगमन हेतु प्रेरित करना। उत्कर्ष की सफलता के लिए मोइनी फाउण्डेशन के प्रतिनिधियों द्वारा नियमित गतिविधियों जैसे– छात्र आमुखीकरण, असाइनमेन्ट शिक्षक प्रशिक्षण, परिणाम विश्लेषण विद्यालय निरीक्षण रिमोट मॉनीटरिंग आदि का आयोजन किया जाता है। उत्कर्ष योजना की क्रियान्विति की मॉनिटरिंग के लिए जिन विद्यालयों में प्रोजेक्ट का संचालन किया जा रहा है। उनकी रिमोट मॉनीटरिंग डेसबोर्ड पर पंजिकरण किया जाता है। संबंधित विद्यालयों की गतिविधियों को जिला प्रशासन शिक्षा विभाग व मोइनी फाउण्डेशन द्वारा नियमित मॉनीटरिंग की जाती है। उत्कर्ष प्रोजेक्ट की सफलता कई घटकों जैसे आईसीटी संसाधनों की उपलब्धता छात्रों का समर्पण विद्यालय द्वारा प्रोजेक्ट का नियमित संचालन आदि पर निर्भर करता है। निदेशक के अनुसार उत्कर्ष योजना की क्रियान्विति में सुव्यवस्थित आईसीटी लेब का अभाव स्थानीय सी. एस.आर. व भामाशाह की उपलब्धता का अभाव आदि समस्याएँ आ रही है।

इस प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन से आई.सी.टी. संसाधनों के उपयोग, शिक्षकों, छात्रों के सूचना प्रौद्योगिकी कौशल विकास, छात्र नामांकन आदि में सकारात्मक परिवर्तन महसूस किये गए है।

Project Utkarsh was started to improve the quality of education. The main objective of Utkarsh is to motivate students for self learning and group learning. For the success of Utkarsh, regular activities like student orientation, assignment teacher training, final analysis, school inspection, remote monitoring etc. are conducted by the representatives of Moini Foundation. Schools in which the project is being run for monitoring the implementation of the Utkarsh scheme. Their remote monitoring is registered on the desboard. The activities of the respective schools are regularly monitored by the District Administration, Education Department and Moini Foundation. The success of the Utkarsh project depends on several factors such as availability of ICT resources, dedication of students, regular operation of the project by the school etc. According to the director, the lack of a well-organized ICT lab in the implementation of the Utkarsh Yojana is the local CSR. And lack of availability of Bhamashah is causing problems.

ICT by implementation of this project. Positive changes have been felt in the use of resources, teachers, information technology development of students, student enrollment etc.

मुख्य शब्दः उत्कर्ष योजना, नवाचार/नया प्रयोग, छात्र आमुखीकरण, असाइनमेन्ट शिक्षक प्रशिक्षण, परिणाम विश्लेषण विद्यालय निरीक्षण रिमोट मॉनीटरिंग ।

Utkarsh Yojana, Innovation / New Experimentation, Student Orientation, Assignment Teacher Training, Results Analysis, School Inspection, Remote Monitoring.

प्रस्तावना

नवाचारों के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को सरल सुगम और रूचिकर बनाया जा सकता है वहीं दूसरी और शिक्षा के साथ तारतम्य रख शिक्षण को आनन्दमयी और सुग्राह बनाया जा सकता है।

इसी दृष्टि से नवाचारों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए मोईनी फाउण्डेशन द्वार प्रोजेक्ट उत्कर्ष का प्रारम्भ किया गया जिसका

उद्देश्य ऐसी अधिगम सामग्री सृजित करना जिससे शिक्षण, अधिगम एवं स्वाध्याय सुगम हो सके।

प्रोजेक्ट उत्कर्ष की शुरूआत मोईनी फाउण्डेशन द्वार की गई। यह फाउण्डेशन एक शैक्षिक ट्रस्ट है। इसकी स्थापना 2012 में जयपुर में हुई इसके संस्थापक श्री अरविन्द थानवी एवं निदेशक डॉ. विजय व्यास है। इस ट्रस्ट का मिशन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार यह ट्रस्ट क्वालिटी ऐज्यूकेशन पर कार्य करता है। इस फाउण्डेशन का निर्माण प्रौद्योगिकी संरक्षण रोजगार कौशल क्विज आधारित अधिगम के लिए किया गया।

उद्देश्य

1. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रोजेक्ट उत्कर्ष के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त करना।
2. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रोजेक्ट उत्कर्ष में क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का पता लगाना।

प्रोजेक्ट उत्कर्ष

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए जिला कलेक्टर महोदय की पहल पर मोईनी फाउण्डेशन जयपुर व शिक्षा विभाग द्वारा क्विज एकेडमी के सहयोग से प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' की शुरूआत की गई।

उदयपुर जिले में प्रोजेक्ट उत्कर्ष

जिले में प्रोजेक्ट उत्कर्ष का क्रियान्वयन जिला कलक्टर श्री रोहित गुप्ता के मार्गदर्शन में हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड उदयपुर के सहयोग से माध्यमिक शिक्षा विभाग उदयपुर एवं मोईनी फाउण्डेशन जयपुर द्वारा जिले के 316 आई.सी.टी. विद्यालय एवं 4 जनजाति विद्यालयों एवं 28 ब्लॉक में किया जा रहा है। प्रोजेक्ट उत्कर्ष के तहत संबंधित विद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट क्लास हेतु क्विज एकेडमी सॉफ्टेवयर सेटअप शिक्षक प्रशिक्षण छात्र आमुखीकरण ऑनर्लाइन टेस्ट व एसाईनमेंट परिणाम – विश्लेषण रिमोट मॉनिटरिंग विद्यालय निरीक्षण आदि नियमित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इस योजना के तहत 9वीं क्लास के छात्र लेपटॉप, कम्प्यूटर व टैबलेट पर क्विज व केबीसी गेम से खेल–खेल में सारे विषयों की पढ़ाई कर सकते हैं। पढ़ाई के प्रति बच्चों की रूचि बढ़ाने के लिये सरकार द्वारा जिले में वितरित सभी लेपटॉप व टैबलेट में एनसीइआरटी की 6 से 12वीं तक की पुस्तकों को हिन्दी व अंग्रेजी में इंस्टाल किया गया। जिससे विद्यार्थियों को स्कूलों में पुस्तकें ले जाने की जरूरत नहीं है।

इसी क्रम में उदयपुर जिले में स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शिक्षा के प्रति बच्चों में रूचि के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर आशुतोष ए. टी. पेंडणेकर ने जनवरी 2014 में प्रोजेक्ट उत्कर्ष का राजकीय गुरू गोविन्द सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुभारम्भ किया तथा बताया कि तकनीकी प्रौद्योगिकी के दौर में शिक्षा के क्षेत्र में कम्प्यूटर के उपयोग बढ़ावा देते हुए विद्यार्थियों को निपुण बनाने की जरूरत बताई एवं कहा कि हर क्षेत्र में कम्प्यूटर का प्रचलन बढ़ रहा है, ऐसे में कम्प्यूटर आधारित शिक्षण प्रणाली हमें तकनीकी श्रेष्ठता की ओर ले जाएगी। साथ ही क्विज आधारित अध्ययन प्रणाली से विद्यार्थियों में जहाँ पढ़ाई के प्रति रूचि जगेगी वहीं हर व्यक्ति के बौद्धिक स्तर को परखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

प्रोजेक्ट की विशेष बात यह है कि इसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक की प्रायोगिक कक्षाओं को भी समझाया गया है। यह अलग–अलग प्रेक्टिस एक्सरसाईज के माध्यम से दिया गया है।

सर्वप्रथम जिले के 12 ब्लॉक के एक–एक विद्यालय का इस प्रोजेक्ट में चयन किया गया। वर्तमान में उदयपुर जिले के चयनित विद्यालयों में प्रोजेक्ट उत्कर्ष के तहत कक्षा 9 के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में बहुविकल्प में प्रश्न दिये गये हैं जो कि छात्रों की अध्ययन में रूचि में अभिवृद्धि करने का एक सार्थक प्रयास है।

इसमें 9वीं व 10वीं से जुड़े पाठ्यक्रम को वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में फीड किया गया है। इसकी प्रक्रिया भी सरल है। विद्यार्थी टेबलेट या कम्प्यूटर लेब में जाकर हर रोज अलग–अलग विषय के अध्याय के प्रश्नों को हल कर सकता हैं। इससे उसे भी अंदाजा हो जाता है कि उसे किस विषय में कितनी मेहनत करनी है। संबंधित शिक्षक को भी यह पता चल जाता है कि किस विद्यार्थी की क्या परफॉरमेंस है और किससे कितनी मेहनत करवानी है।

निष्कर्ष

प्रोजेक्ट उत्कर्ष के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोजेक्ट के निदेशक से साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार से निम्न जानकारी प्राप्त हुई–

प्रोजेक्ट उत्कर्ष के निदेशक महोदय ने उत्कर्ष योजना को निम्न उद्देश्यों को लेकर प्रारम्भ किया।

1. सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट–क्लास हेतु।
2. विद्यालयों में उपलब्ध आईसीटी संस्थानों के नियमित उपयोग गुणात्मक शिक्षा व ई–लर्निंग को बढ़ावा देने हेतु।
3. विद्यार्थियों को स्व–अध्ययन व समूह अधिगमन हेतु प्रेरित करने के लिये।
4. रिमोट मॉनीटरिंग द्वारा स्मार्ट–क्लास संचालन की मॉनीटरिंग।

निदेशक महोदय द्वारा प्रोजेक्ट की सफलता हेतु निम्न प्रयास किये जा रहे हैं–

1. जिला कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के साथ प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन।
2. शिक्षकों व प्रधानाचार्यों का नियमित प्रशिक्षण।
3. जिला कलेक्टर महोदय व जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रोजेक्ट की नियमित प्रगति समीक्षा व प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उचित दिशा निर्देश।
4. मोईनी फाउण्डेशन के प्रतिनिधियों नियमित गतिविधियों जैसे– छात्र आमुखीकरण, क्विज एकेडमी सॉफ्टवेयर सेटअप, टेस्ट एण्ड असाइनमेन्ट, शिक्षक प्रशिक्षण, परिणाम विश्लेषण विद्यालय निरीक्षण, रिमोट मॉनीटरिंग आदि का आयोजन।

उत्कर्ष योजना को प्रारम्भ करने के लिए सर्वप्रथम निम्न विषयवस्तु को लेकर विचार विमर्श किया गया।

1. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के पाठ्यक्रम अनुसार हिन्दी माध्यम में ई–लर्निंग कन्टेट विद्यार्थियों को प्रदान करना।
2. विद्यालयों में उपलब्ध आईसीटी संसाधनों का अध्ययन अधिगमन के लिये नियमित उपयोग सुनिश्चित करना।
3. विद्यार्थियों को विशेष रूप से (ग्रामीण व आदिवासी) क्षेत्रों सूचना प्रौद्योगिकी से जोड़ना।
4. निदेशक के द्वारा उत्कर्ष योजना की क्रियान्विति की मॉनिटरिंग निम्न प्रकार की जा रही है– जिन विद्यालयों में प्रोजेक्ट का संचालन किया जा रहा है उनका रीमोट मॉनीटरिंग डेसबोर्ड पर पंजीकरण किया जाता है। संबंधित विद्यालयों की गतिविधियों को जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग व मोईनी फाउण्डेशन द्वारा नियमित मॉनीटरिंग की जाती है।
5. निदेशक के अनुसार वर्तमान में यह प्रोजेक्ट आरबीएसई 9 व 10 के लिये संचालित किया जा रहा है जिसे भविष्य में 8 से 12 तक अन्य बोर्ड (सीबीएसई, महाराष्ट्र बोर्ड) के लिये भी विस्तावित किया जा सकता है।
6. प्रोजेक्ट उत्कर्ष में सरकार के साथ निदेशक की भूमिका है राजस्थान सरकार द्वारा मोइनी फाउण्डेशन को जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के साथ मिलकर स्थानीय सीएसआर की मदद से सरकारी आईसीटी सुविधायुक्त सभी विद्यालयों में क्रियान्वयन हेतु अधिकृत किया जाता है।
7. निदेशक का कहना है प्रोजेक्ट उत्कर्ष विशिष्ट बालकों के लिए भी उतना ही उपयोगी जितना की सामान्य बालक के लिए।
8. वर्तमान में यह प्रोजेक्ट दो राज्यों के 9 जिलों के 1400 से अधिक विद्यालयों में संचालित हो रहा है जिसे भविष्य में अन्य जिलों व राज्यों में विस्तारित किया जा सकता है।
9. निदेशक के अनुसार यह प्रोजेक्ट शहरी, ग्रामीण व जनजातीय सभी क्षेत्रों में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। प्रोजेक्ट की सफलता कई घटकों जैसे आईसीटी संसाधनों की उपलब्धता छात्रों का समर्पण, विद्यालय द्वारा नियमित संचालन आदि पर निर्भर करता है।
10. उत्कर्ष योजना की क्रियान्विति में सुव्यवस्थित आईसीटी लेब का अभाव।
11. स्थानीय सीएसआर भामाशाह की उपलब्धता का अभाव आदि समस्याएँ आ रही है।
12. निदेशक के अनुसार प्रोजेक्ट उत्कर्ष में गुणात्मक शिक्षा के विस्तार हेतु किसी भी नवाचार था अभिनव पहल को शामिल किया जा सकता है।
13. वेदान्ता (HZl) ने उदयपुर जिले के 318 विद्यालयों में प्रोजेक्ट उत्कर्ष क्रियान्वयन हेतु 2015–16 से 2016–17 तक सीएसआर एक्टीवीटी के तहत वित्तीय सहायता प्रदत्त की है।
14. उत्कर्ष प्रोजेक्ट अभी राजस्थान बोर्ड के कक्षा 9–10 के अधिकतम विषयों को कवर किया गया है।
15. जिन विद्यालयों में प्रोजेक्ट उत्कर्ष का संचालन नहीं हो पाता है उनकी कारण सहित सूचना मोईनी फाउण्डेशन द्वारा जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग को उचित कार्यकारी हेतु प्रेक्षित की जाती है।
16. इस प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में निदेशक द्वारा प्रधानाध्यापक, अध्यापक के लिए बेसिक ओरियनटेशन प्रोग्राम ट्रेनिंग, स्मार्ट टीचर ट्रेनिंग, एडवांस स्मार्ट टीचर ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।
17. इस प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले प्रधानाध्यापको / अध्यापक का स्थानान्तरण होने पर नियमित शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं एवं इचदुक प्रधानाध्यापक / अध्यापक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्थापित प्रोजेक्ट उत्कर्ष सेल में भी आकर प्रशिक्षण ले सकते हैं।

यह प्रोजेक्ट उदयपुर के अलावा राज्य के जिलों (बारां, झालावाड़, जोधपुर, पाली, अजमेर, जयपुर, सवाई माधोपुर) व उत्तराखंड के 1 जिला (उद्यम सिंह नगर) में यह प्रोजेक्ट संचालित है।

1. इस योजना का सफलतापूर्वक संचालन करने हेतु निदेशक द्वारा जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के साथ प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन।
2. शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों का नियमित प्रशिक्षण।
3. जिला कलेक्टर महोदय व जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रोजेक्ट की नियमित प्रगति समीक्षा व प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उचित दिशा–निर्देश।
4. मोईनी फाउण्डेशन के प्रतिनिधियों द्वारा नियमित गतिविधियों जैसे छात्र आमुखीकरण, क्विपज–एकेडमी, सोफ्टवेयर सेटअप, टेस्ट एण्ड असाईनमेन्ट शिक्षक प्रशिक्षणक, परिणाम विश्लेषण, विद्यालय निरीक्षण रिमोट मॉनिटरिंग आदि का आयोजन।
5. इस योजना का मोइनी फाउण्डेशन द्वारा नियमित आंतरिक मूल्यांकन किया जाता है जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग द्वारा भी मूल्यांकन किया जाता है।
6. इस प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन से आईसीटी संसाधनों के उपयोग, शिक्षकों छात्रों के सूचना प्रौद्योगिकी कौशल विकास, छात्र नामांकन आदि में सकारात्मक परिवर्तन महसूस किये गये है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. *कल्पना शर्मा, ''कम्प्यूटर साक्षरता एवं शैक्षिक अनुप्रयोग'', राधा प्रकाशन मन्दिर, प्रा. लि. आगरा।*
2. *शर्मा, आर.ए., ''शिक्षा अनुसंधान'', आरलाल बुक डिपो, मेरठ।*
3. *दीपक जायसवालन (2010), माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा सामग्री नया ''शिक्षक''।*
4. *अन्जु टीना (2010) कम्प्यूटर का उपयोग छात्रों द्वारा परिस्थिति विज्ञान एवं श्रम दयता, तथा शिक्षक अक्टूबर से दिसम्बर*
5. *डॉ. प्रतिष्ठा (2012) संस्कृत विकास में कम्प्यूटर का योगदान उपलब्धि व संभाव वाद्यों पर शोध अध्ययन नया शिक्षक।*
6. *कम्प्यूटर शिक्षा से बदलेगा तस्वी दैनिक भास्कर।*
7. *शिक्षा में गुणवत्ता के लिए कम्प्यूटर के प्रतिरूझान दैनिक भास्कर।*
8. *उत्कर्ष से शैक्षिक उड़ान की तैयारी राजस्थान पत्रिका।*
9. *http//www.projectutkarsh.org.*
10. *http//www.moinee.org.*